BISHOP SCOTT BOYS' SCHOOL
(Affiliated to CBSE, New Delhi) Affiliation No.: 330726, School Campus: Chainpur, Jaganpura, By-Pass, Patna 804453.
Phone Number: 7061717782, 9798903550. ,
Web: www.bishopscottboysschool.com Email: info@bishopscottboysschool.com

ONLINE STUDYMATERIAL

SUBJECT- HINDI LITERATURE

SESSION-2020-21

CLASS- 4

CHAPTER No- 3

TOPIC: सतरंगा इंद्रधनुष

पाठ की भूमिका-रंग प्रकृति की अनूठी देन है। हमारे चारों ओर प्रकृत ने चित्रकार की भाँति निराले रंग बिखकर सृष्टि को दर्शनीय बनाया है। फूलों में पशु -पक्षियों में, आकाश एवं पानी में, मिट्टी आदि वस्तुओं में भी रंगों की विभिन्नता दिखाई देती है। इनसे भी अलग उसने इंद्रधनुष को एक साथ सात प्यारे रंगों की तूलिका(ब्रुश) चलाकर रंग दिया है ।

पाठ का सारांश-

बरसात के मौसम में अकाश बादलों से ढक जाता है।बादलों की गरज़, बिजली की चमक और धीमी-धीमी बूँदों का गिरनामन को लुभाने वाला होता है ।

धीरे- धीरे पड़ती बूँदे झमाझम बरसात में बदलती हैं तो चारों ओर जल ही जल दिखाई देता है । पेड़ -पौधे, गली, सड़क सभी ताजगी से भरपूर नजर आते हैं।

बरसात खत्म होते ही मौसम खुला-सा,धुला-सा हो जाता है ।पूरब में रंग -बिरंगी रेखाएँ आकाश को सजाने आ जाती हैं। ऐसा लगता है मानो किसी चित्रकार ने कई सारीतुलिकाओं में रंग भरकर आकाश की चूनर पर आधे -आधे गोले चित्रित कर दिए हैं ।बच्चे ,बड़े -बूढ़े सभी इन सुंदर रंग-बिरंगे अर्धवृत्ताकार को देखने को आतुर हो उठते हैं।

बच्चों यही तो है इंद्रधनुष! पता नहीं 'कब और क्यों' इसे इंद्रधनुष कहा गया होगा या 'किसी का धनुष' समझ लिया गया होगा ।जो भी हो, यह तो रंग - रंगीला प्यारा -सा प्राकृतिक नजारा ही है ।

इंद्रधनुष का निर्माण वर्षा काल में ही होता है ।इसके बनने का कारण होता है - सूर्य की किरणें ।जब वर्षा काल में हवा में व्याप्त पानी की नन्हीं -नन्हीं बूँदों पर सूर्य की किरणें प्रकाश डालती हैं तो यह प्रकाश- पुंज रंग भरकर चमक उठता है।

पुराने लोग ऐसा कहते हैं कि यदि पूरब में इंद्रधनुष दिखाई पड़े तो सायं या सवेरे पानी बरसना तय है।इंद्रधनुष में सात रंग होते हैं।सात रंगों से सजता है यह इंद्रधनुष- बैंगनी ,नीला ,आसमानी ,हरा, पीला, नारंगी तथा लाल।संपूर्ण प्रकृति और मानव का जीवन सभी को प्रभावित करने वाले यह सातों रंग एकता समता, त्याग ,प्रेम सौहार्द, शांति तथा ममता के भावों से भरे हैं।

इंद्रधनुषी रंगों के भावों को यदि हम अपने जीवन से जोड़ लें तो जीवन भी सुखमय और आदर्श भरा हो जाए क्योंकि भावों और रंगों से रहित जीवन अपूर्ण है ,निरुद्देश्य है।

रंग और भावों का सदप्रयोग और समुचित प्रयोग ही हमारी जीवन -शैली का आदर्श रुप बनकर हमें सम्मान दिलाता है ।इस तरह वर्षा का यह इंद्रधनुष हमें क्या -क्या सिखा गया ,कितने सुंदर रंग दिखा गया ,यह अब तुम जान गए होगे।

कठिन शब्द एवं उनके अर्थ

बरखा = बारिश, वर्षा
चित्रित =चित्र बनाया हुआ
आतुर =व्याकुल
प्राकृतिक=प्रकृति का, कुदरती
व्याप्त= फैला हुआ ,समाहित
रहित = बिना

सदुपयोग = अच्छा प्रयोग

समुचित =सब प्रकार से ठीक

सम्मान = इज्ज़त ,मान

तूलिका =ब्रुश(रंग करने वाले)

वृत्ताकार =गोलाकार

रंगीला =रंगो भरा

नज़ारा =दृश्य

प्रकाश पुंज =रोशनी का समूह

निरूद्देश्य =बिना लक्ष्य के

जीवन-शैली = जीवन जीने का तरीका

अर्धगोलाकार =आधे गोले का आकार

पर्यायवाची शब्द

बरखा= वर्षा, बरसात

जल = पानी ,नीर

प्रकाश= रोशनी, उजाला

सूर्य =दिनकर ,दिवाकर

आकाश = गगन ,नभ

बादल =घन, मेघ

बिजली = दामिनी ,विद्युत

विलोम शब्द

एकता ×अनेकता

प्रेम × घृणा

शांति × अशांति

मानव × दानव

अपूर्ण ×पूर्ण

पूरब ×पश्चिम

सम्मान ×अपमान

बच्चे × बूढ़े

बासी × ताजा

तेज ×धीमा

पाताल ×आकाश

प्रश्नोत्तर कार्य (लिखित)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

प्रश्न-1 वर्षा के दिनों में वातावरण कैसा हो जाता है?

उत्तर- वर्षा के दिनों में वातावरण बहुत ही सुहावना हो जाता है ।बरखा आती है तो आकाश बादलों से ढक
जाता है। बादलों की गरज ,बिजली की चमक और बूँदों के गिरने से चारों ओर जल ही जल दिखता
है। पेड़ -पौधे, गली ,सड़क सभी नहाए हुए ताजगी से भरपूर नजर आते हैं ।

प्रश्न-2 इंद्रधनुष के बनने में सूर्य की किरणें क्या मदद करती हैं?

उत्तर - इंद्रधनुष का निर्माण वर्षा काल में ही होता है। इसके बनने का कारण होता है- सूर्य की किरणें ।
जब वर्षा काल में हवा में व्याप्त पानी की नन्हीं -नन्हीं बूँदों पर सूर्य की किरणें प्रकाश डालती हैं
तो यह प्रकाश पुंज रंग भर कर चमक उठता है।इस तरह सात रंगों
का इंद्रधनुषदिखाई देता है।

प्रश्न-3 इंद्रधनुष के 7 रंगों के नाम लिखिए ।

उत्तर - इंद्रधनुष के 7 रंगों के नाम इस प्रकार हैं बैंगनी, नीला ,आसमानी, हरा ,पीला ,नारंगी एवं लाल ।

पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) भाव और रंगों से रहित जीवन अपूर्ण है निरुद्देश्य है।

उत्तर- जीवन में रंग नहीं होंगे भाव नहीं होंगे या जीवन में कोई लक्ष्य नहीं होगा तो ऐसे जीवन का
कोई अर्थ भी नहीं होगा ।

(ख) सातों रंग एकता,समता, त्याग, प्रेम,सौहार्द, शांति ,ममता के भावों से भरे हैं ।

उत्तर–इंद्रधनुष के सातों रंग एकता समता त्याग प्रेम सौहार्द्र शांति ममता के भावों से भरे हैं जो
हमारेजीवन को बहुत खूबसूरत बनाते हैं ।

मौखिक प्रश्नोत्तर

(क) इंद्रधनुष बनने का क्या कारण होता है?

उत्तर- बरसात के दिनों में जब बारिश होती है तो पानी की नन्हीं नन्ही बूंदे हवा के संपर्क में आ
जाती हैं और जब सूरज की किरण इन पर प्रकाश डालती है तो यह प्रकाश के कारण चमक
उठती हैं और सूरज के विपरीत दिशा में इंद्रधनुष बन जाता है इनमें जो सात रंग दिखाई देता है
वह सूरज की किरणों से ही निकलता है।

(ख) इंद्रधनुष के बारे में लोगों का क्या कहना प्रसिद्ध है?

उत्तर- इंद्रधनुष के बारे में लोगों का कहना है कि यदि पूरब दिशा में इंद्रधनुष दिखाई दे तो शाम में
या सुबह तक बारिश होना जरूरी है ।

(ग) इंद्रधनुष के रंगों से हम क्या सीख सकते हैं?

उत्तर- इंद्रधनुष के रंग हमें एकता, समता, त्याग, प्रेम, सौहार्द, शांति और ममता का सीख देता है।